

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - २

रविवार, ५ जुलाई, २००९

समय : दोपहर २.०० से ४.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

□	□	□	□	□	□	□	□
---	---	---	---	---	---	---	---

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन विभाग भाटे ५

गुण शब्दोंमां

चेकर - नाम

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	
----------------------------------	-------------	--

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “स्वामी एक ही हैं और वे हैं रामानन्द स्वामी ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

२. “क्यों ? पटेल मजे में हैं न !”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

३. “अभी तम्बाकू बिकी नहीं है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. व्यापकानन्द स्वामी सोचने लगे की श्रीजीमहाराज की छोटी बड़ी आज्ञाएँ कितनी महत्त्वपूर्ण और रहस्यपूर्ण हैं ।

.....

.....

.....

गुण : २

२. गोलिडा गाँव के सिवान में यमदूतों की टोली जलने लगी ।

.....

.....

.....

गुण : २

३. श्रीजीमहाराज ने विष्णुयाग, जन्माष्टमी, एकादशी आदि उत्सव करवाएँ ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ “सगराम ।” - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३	प्र-४
----------------------------------	-------------	-------

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. महाभारत में 'मांसभक्षण निषेध' के बारे में क्या कहा है ?

गुण : १

२. कौन से दो सन्त घूमते-फिरते नेनपुर में देवजीभाई के घर पधारे ?

गुण : १

३. आत्मानन्द स्वामी को सम्प्रदाय में किन दो नाम से पुकारा जाता था ?

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज ने सन्तों को किसके यहाँ लक्ष्मीनारायण की मूर्तियाँ लेने भेजा ?

गुण : १

५. दुबली भट्ट का मूल नाम क्या था ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ "सत्संग हो भी जाये, पर बिना संग के....." - 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (कुल गुण : ५)

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५	प्र-६
----------------------------------	-------------	-------

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. आप प्रभु साथ लई । गुण : २

२. बालचरित्रों करी स्वरूप समजावता हो । गुण : २

३. एकान्तिकं नमामि । गुण : २

४. सर्वधर्मान् मा शुचः ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “ आप हमारी सतत सहायता कीजियेगा और हमेशा ही आप हमारे साथ रहियेगा ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
.....
.....

गुण : ३

२. “ आपकी इच्छा और आज्ञा हो तो मैं हिम्मत करने को तैयार हूँ ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
.....
.....

गुण : ३

३. “ तुम उसको आशीर्वाद दो कि उसमें तुम्हारे जैसे गुण आवें ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....
.....
.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **९** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. शास्त्रीजी महाराज वड़ताल छोड़ने तैयार नहीं थे ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. जागा भक्त प्रसन्न होकर बोल उठे, “आये भैया ! बहुत प्रतीक्षा करवायी ?”

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	
----------------------------------	-------------	--	-------	--

३. भगतजी प्रसन्न होकर बोले : “गजब कर दिया यज्ञपुरुषदास !”

.....

.....

.....

.....

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ “ठटकीला बिच्छू ।” - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. दोलतरामभाई के हृदय में कौन सी बात बैठ गई ?

गुण : १

२. गुणातीतानन्द स्वामी ने मोटा गोखरवाला गाँव के किस हरिभक्त को दर्शन दिए ?

गुण : १

३. डुंगर भक्त के माता-पिता का नाम क्या था ?

गुण : १

४. शंकराचार्य माधवतीर्थ को शास्त्रीजी महाराज ने क्या कहलवाया ?

गुण : १

५. शास्त्रीजी महाराज ने किस की अन्तिम सेवा करने का लाभ लीया ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।
(कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. डुंगर भक्त के खेल ।

गुण : २

(१) देहाती खेल खेलते ।

(२) मुख प्रक्षालन करावे ।

(३) पत्थर से मन्दिर की आकृतियाँ बनाते ।

(४) भगवान की मूर्ति प्रतिष्ठित करते ।

२. चैत्र शुक्ला पूर्णिमा को शास्त्रीजी महाराज विरुद्ध दोपहर सभा ।

गुण : २

(१) सारंगपुर से पिटोरा भर के रुपये लेकर वढवाण मन्दिर भेजने का जीभाई कोठारी का आक्षेप ।

(२) ऐसे सदाचारी, साधुता से पूर्ण सन्त के पीछे क्यों पड़े हो ? ऐसा कालिदासभाई का मुँहतोड़ उत्तर ।

(३) शास्त्री तो शुद्ध ही हैं ।

(४) यह कुछ साधुओं की और गोरधनभाई कोठारी की साजिश है ।

३. अक्षरपुरुषोत्तम सिध्धांत की पुष्टि करते हुए विज्ञानानन्द स्वामी ।

गुण : २

(१) जागा स्वामी का समागम करने के लिए यज्ञपुरुषदासजी को आज्ञा ।

(२) गढ़डा में श्रीजीमहाराज के मुख से मैंने सुना है कि वे सर्वोपरि भगवान हैं ।

(३) तुम भी श्रीजीमहाराज को सर्वोपरि भगवान समझो ।

(४) गुणातीतानन्द स्वामी की कृपा से जागा स्वामी को ब्रह्मस्थिति प्राप्त हुई ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **सद्गुरु की खोज में** : वड़ताल में पार्षदों से परिचय करते करते मोरलीधरदास पुराणी के आसन पर झीणाभाई को पुराणी के दर्शन करने के बाद वचनमृत सुनकर मन में शान्ति हुई ।

उ.
.....

गुण : १

२. **सुवर्ण जयन्ती** : ७५वीं जयन्ती के अवसर पर स्वामीश्री की सर्करा तुला बोचासण में करने का निर्णय विद्याधिकारी चंदुलाल पटेल ने किया ।

उ.
.....

गुण : १

३. **चमत्कार की परंपरा** : आठ वर्ष के डुंगर भक्त पडोशी के मरण प्रसंग पर अमरेली गए । सब क्रिया करने में व्यस्त थे, उस वक्त डुंगर भक्त गाँव में पुस्तकालय खोजकर पुस्तक पढ़ने लगे ।

उ.
.....

गुण : १

४. **दिल की सफाई का साधन** : कोठारी ने राजकोट कथा करने की आज्ञा की, इसमें तीन हेतु थे - पुरानो की पढ़ाई हो, गोंडल के पास होने से गोपालानंद स्वामी के कृपापात्र अदाश्री का सम्पर्क बना रहे ।

उ.
.....

गुण : १

५. **बोचासण में प्रथम अक्षरपुरुषोत्तम मन्दिर** : बेचरभाई ने विरोधियों को स्पष्ट सुना दिया कि, “मेरे गाँव में हवेली बनें, इसमें तुम्हारा क्या ? महाराज तो मेरे भगवान हैं ।”

उ.
.....

गुण : १

६. **दीक्षा महोत्सव** : संवत् १८४८ में मार्गशीर्ष शुक्ला अष्टमी को डुंगर भक्त ने गृहत्याग करना निश्चित किया । इस प्रसंग पर आचार्य भगवत्प्रसादजी महाराज ने छठी के दिन समैया करके डुंगर भक्त को गृहत्याग कराकर ज्ञानजीवनदास नाम दिया ।

उ.
.....

गुण : १